Seventeenth Loksabha

>

Ttile: Regarding problems faced by farmers due menance created by Animals in Himachal Pradesh.

श्री सुरेश कश्यप (शिमला): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं पहली बार आज इस सदन में बोल रहा हूँ । आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहूँगा । मैं हिमाचल प्रदेश से आता हूँ और एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलना चाहूँगा । मैं किसानों के विषय पर बोलना चाहूँगा । आज हिमाचल प्रदेश में, जो कि एक कृषि प्रधान राज्य है । ज्यादातर लोग खेतीबाड़ी करते हैं, फल उगाते हैं, पौधे उगाते हैं, फूल उगाते हैं, लेकिन बन्दरों, जंगली जानवरों तथा बेसहारा पशुओं के कारण किसान कृषि से दूर हो रहे हैं । मेरा आपसे आग्रह है, सरकार से आग्रह है कि यहाँ जो बंदरों की समस्या है, जंगली जानवरों की समस्या है, बेसहारा पशुओं की समस्या है, उससे निजात दिलाएँ । हमारे जो किसान भाई हैं, पहले उनको फसलों की रखवाली के लिए बंदूकों के लाइसेंस की जो फीस थी, वह बहुत कम थी । मात्र 120 रुपये रिन्यूअल के लिए लगते थे, जिसको बढ़ाकर अब 1650 रुपये किया गया है । दूसरा, किसानों के लिए जो नए लाइसेंस फसलों की रखवाली हेतु बनते हैं, उसकी फीस 2200 रुपये है, जो किसानों के लिए बहुत बड़ी राशि है । मैं आग्रह करना चाहूँगा कि सरकार इस ओर ध्यान दे । साथ ही साथ, मै यह भी कहना चाहूँगा कि मनरेगा के तहत हमारे किसानों को फसलों की रखवाली के लिए रखवाला रखने की व्यवस्था हो, साथ ही सोलर फेंसिंग, बाड फेंसिंग के लिए भी अधिक से अधिक सब्सिडी का प्रावधान किसानों के लिए किया जाए । जंगल से बंदर और अन्य दूसरे जानवर खेतों में न आएं, इसके लिए फलदार पौधे लगाने का प्रावधान किया जाए । बेसहारा पशुओं के लिए, गौ सदन के निर्माण के लिए, सामाजिक और गैर सरकारी और सरकारी क्षेत्र में लीज पर भूमि दी जाए । अध्यक्ष जी, आपने समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।